शिक्षण पाठ योजना

सेमेस्टर- VII

MJ 18: रीतिकालीन काव्य **व्याख्यान घंटे: 60**

उद्देश्य: पाठ्यक्रम के इस अंश का अधिगम परिमाण निम्नवत होगा : -

1. रीतिकालीन काव्य एवं उसकेस्वरूप ज्ञान प्राप्त कर पाएंगे ।
2. रीतिकाल के प्रमुख कवियों तथा उनके काव्य एवं काव्यगत विशेषताओं से अवगत होंगे ।
3. केशवदास ,बिहारीलाल ,भूषण, मतिराम एवं घनानंद के काव्य का विस्तृत परिचय प्राप्त हो सकेंगे ।
4. रीतिबद्ध रीति सिद्ध एवं रीतिमुक्त काव्य धाराओं को समझ सकेंगे ।
5. रीतिकालीन काव्य की भाषा का ज्ञान प्राप्त करेंगे ।

क्र . स	विषय और उद्देश्य	व्याख्यान घंटे	कार्यप्रणाली	मूल्यांकन विधि
इकाई-I	**प्रस्तावित संरचना**			
	केशवदास - रामचंद्रिका छन्द संख्या 1 - 14 तक, स. नलिन विलोचन शर्मा, केसरी कुमार, मोतीलाल, बनारसीदास दिल्ली ।	15 घंटे	व्याख्यान और चर्चा	कार्यभार
इकाई-II	**प्रस्तावित संरचना**			
	बिहारीलाल, स्वर्ण मंजूषा, मंगलाचरण, श्रृंगार और प्रकृति चित्रण,सा.नलिन विचोलन शर्मा केसरी कुमार, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली ।	15 घंटे	व्याख्यान और चर्चा	कार्यभार
इकाई-III	भूषण - छंद संख्या 1, 5, 7, 16 17 और 20 - स्वर्ण मंजूषा ।	15 घंटे	व्याख्यान और चर्चा	कार्यभार

इकाई-IV	मतिराम - स्वर्ण मंजूषा सम्पूर्ण ।	15 घंटे	व्याख्यान और चर्चा	कार्यभार

अनुशंसित पुस्तकें :-

1. केशव और उनका साहित्य - डॉ० विजयपाल सिं ह - नेशनल पब्लिशिंग हाउस दिल्ली ।
2. केशव का आचार्यत्व - डॉ० विजयपाल सिंह - नेशनल पब्लिशिंग हाउस दिल्ली ।

- द्वारा तैयार
सुश्री प्रतिमा परधिया